श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

नवरात्रि साधनाएं

17/10/2020

(अश्विन / प्रतिपदा)

मूल नवार्ण मंत्र

मंत्र: || ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चै ||

विधान:- साधक या साधिकाये , लाल या पीले वस्त्र धारण कर पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | नवरात्रि मे नित्य 11 माला जप करे |

सामग्री :- सफेद हकीक माला या मुंगा माला

जप संख्या: 11 माला

****

1) प्रथम साधना: देवी कृपा एवं रक्षा हेतु |

मंत्र: || ॐ ह्रीं दुं दुर्गायै दुं नमः||

विधान:- साधक या साधिकाये , किसी भी समय पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र-यंत्र और दुर्गा चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

सामग्री :- हकीक माला या मुंगा माला

जप संख्या: 21 माला

****

2) शुलिनी दुर्गा साधना : रात्री कालीन साधना : 7 दिन की साधना

मंत्र: || ॐ ऐं श्रीं क्लीं ह्रीं क्ष्मूं दुं दुर्गायै नमः||

विधान:- साधक या साधिकाये , लाल वस्त्र धारण कर पूर्व दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर 8 तेल के दीपक लगाए पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | साधना से पूर्व 4 माला गुरु मंत्र अवश्य करे | दीपक पर त्राटक करते हुआ करे | यथा संभव पद्मासन मे बैठे | बेसन के लड्डू का भोग या लाल फल का भोग लगाए |

सामग्री :- हकीक माला

जप संख्या: बाधा निवारण हेतु,नित्य 11 माला जप करे |

प्रत्यक्ष दर्शन हेतु नित्य 51 माला जप करे |

****